धर्मापुर में ब्लॉक स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली एवं गोष्ठी का आयोजन, मुख्य अतिथि रहे बीएसए समीर

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com f ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 29 ● अंक : 26 ● नई दिल्ली ● 16 से 22 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

खतरे में देश की परमाणु सुरक्षा! भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम के डेटा में सेंध

नई दिल्ली। तमिलनाडु स्थित देश के सबसे बड़े कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट से जुड़ी संवेदनशील डेटा लीक हो गई है. वर्ल्ड लीक्स नाम के दो हैकर ग्रुप ने इस पावर प्लांट की जानकारियों को पोस्ट किया है, जिसमें प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट (नक्शे), सप्लायर्स की जानकारी, मीटिंग और इंस्पेक्शन रिकॉर्ड्स, उपकरणों के रिव्यू और इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े करीब 19,000 जरूरी दस्तावेज की डिटेल शामिल है. वर्ल्ड लीक्स हैकर ग्रुप ने दावा किया है कि ये दस्तावेज अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के हैं, जो इस प्लांट में कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम कर रहा है.

रिलायंस ग्रुप ने सरकार को दी जानकारी

तमिलनाडु में स्थित कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट भारत के सात परमाणु संयंत्रों में सबसे बड़ा है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने बताया कि उसके डेटा में आंशिक सेंधमारी की गई है. कंपनी ने बताया कि यह डेटा थर्ड पार्टी डेटा सेंटर सर्विस प्रोवाइडर योट्टा के सर्वर पर होस्ट था. रिलायंस ने इस घटना की जानकारी भारत सरकार को दे दी है. हालांकि कंपनी ने ये नहीं बताया है कि किस तरह का डेटा चोरी हुआ है. परमाणु सुरक्षा संबंधी मामलों में सरकारों को सलाह देने और देशों की तैयारियों का आकलन करने वाली संस्था न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव के सीनियर डायरेक्टर निकोलस रोथ ने कहा कि डेटा लीक से प्लांट की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है. इस तरह की घटना ने कंपनियों पर सवाल खड़ा कर दिया है कि वे इन खतरों से निपटने में कितने सक्षम हैं.

लीक हुई 19,000 फाइलें सबसे संवेदनशील

रॉयटर्स ने दावा किया है कि उसने लीक हुए दस्तावेजों की जांच की है, जो साल 2016 से लेकर 2025 के बीच के हैं. हालांकि न्यूज एजेंसी रॉयटर्स न इन फाइलों के असली होने की पुष्टि नहीं की है. वर्ल्ड लीक्स वेबसाइट पर मौजूद रिलायंस की कुल 858,000 फाइलों में से 19,000 फाइलें सबसे संवेदनशील और सीक्रेट लगती हैं. रिलायंस ग्रुप की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को साल 2018 में कुडनकुलम प्लांट की यूनिट 3 और यूनिट 4 के डिजाइन और कंस्ट्रक्शन का कॉन्ट्रैक्ट मिला था. फिलहाल ये दोनों यूनिट्स बन रही है और साल 2027 तक इसके चालू होने की उम्मीद है. चालू होने के बाद इससे कुल 2000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा.

वर्ल्ड लीक्स नाम के दो हैकर ग्रुप ने इस पावर प्लांट की जानकारियों को पोस्ट किया है, जिसमें प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट (नक्शे), सप्लायर्स की जानकारी, मीटिंग और इंस्पेक्शन रिकॉर्ड्स, उपकरणों के रिव्यू और इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े करीब 19,000 जरूरी दस्तावेज की डिटेल शामिल है.

कौन है वर्ल्ड लीक्स ग्रुप?

इस हैकर ग्रुप का मेन काम कंपनियों का डेटा चुराकर फिरौती वसूलना है. अगर इसे पैसे नहीं दिए गए तो यह डेटा को डार्क वेब पर सार्वजनिक कर देता है. इससे पहले यह ग्रुप Nike और भारत के टाटा ग्रुप को भी निशाना बना चुका है. इस ग्रुप ने जून में टाटा ग्रुप के डेटा लीक किया था, जिसमें एप्पल और टेस्ला जैसे बड़े ब्रांड्स के कॉन्फिडेंशियल कंपोनेंट डिजाइन शामिल थे. उस समय हैकर्स ने 15 लाख डॉलर की मांग की थी. कंपनी ने पैसे देने से इनकार किया तो डेटा लीक कर दिया गया था.

नोएडा के ममूरा गांव में इमारत लगी भीषण आग, चपेट में आने से दो की मौत

नोएडा । यूपी के नोएडा में बुधवार को एक इमारत में भीषण आग लग गई। फेज-3 थाना इलाके के ममूरा गांव स्थित इमारत में लगी आग की चपेट में दो लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत एक इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी में हुए धमाके से हुई थी। आग तेजी से फैल गई और आसपास खड़े कई वाहन भी इसकी चपेट में आ गए। आग लगने के समय भवन के अंदर करीब 50 परिवार मौजूद थे। धुआं और लपटें फैलने से वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग और पुलिस का दल मौके पर पहुंचा। दमकल कर्मियों ने तत्काल बचाव अभियान चलाकर भवन में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, मृतकों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अग्निशमन विभाग ने कई दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी में चिंगारी को आग लगने की वजह माना जा रहा है। पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की जांच कर रहे हैं तथा मृतकों की पहचान और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

राहुल गांधी को राहत, कोर्ट ने खारिज की निगरानी याचिका; मजिस्ट्रेट के आदेश में हस्तक्षेप से किया इनकार

सुल्तानपुर । गृहमंत्री अमित शाह पर कथित विवादित टिप्पणी से जुड़े मानहानि के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एमपी-एमएलए कोर्ट से राहत मिली है। स्पेशल जज राकेश यादव की अदालत ने भाजपा नेता विजय मिश्र की निगरानी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार किया। इस फैसले से स्पेशल मजिस्ट्रेट की अदालत में लंबित मानहानि मुकदमे की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। अब मामले में 18 जुलाई को सुनवाई होगी। स्पेशल जज ने अपने आदेश में कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट में लंबित अंतिम बहस की कार्यवाही को रोकना उचित नहीं था। अदालत ने माना कि परिवादी की ओर से दायर निगरानी याचिका स्वीकार करने योग्य नहीं है। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्र ने वर्ष 2018 में दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने अमित शाह के संबंध में विवादित टिप्पणी की थी।

आवाज के नमूने की मांग खारिज

मुकदमे की सुनवाई के दौरान विजय मिश्र ने 12 मार्च को राहुल गांधी की आवाज का नमूना जांच कराने की मांग की थी। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने 2 मई को यह अर्जी खारिज कर दी थी। उन्होंने जमानतनामा प्रस्तुत करने और अंतिम बहस आगे बढ़ाने का आदेश दिया था। विजय मिश्र ने इस आदेश को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी। बुधवार को स्पेशल जज ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

राहुल गांधी की आवाज के नमूने की जांच कराने की मांग पहले स्पेशल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खारिज की थी। अब उसी आदेश के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका भी एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने निरस्त कर दी। लगातार दो अदालतों से राहत नहीं मिलने के बाद परिवादी भाजपा नेता को कानूनी झटका माना जा रहा है।

मैं भारत से हूं मुसलमान हूं -जबाव सुनकर यूएस में भारतीय शख्स के ऊपर 15 बार किया धारदार चाकू से हमला

इंटरनेशनल डेस्क । अमेरिका के यूटा राज्य से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां मजहबी नफरत के चलते एक भारतीय मूल के व्यक्ति पर जानलेवा हमला किया गया। वेस्ट वैली सिटी के वैली फेयर मॉल में 48 वर्षीय पीटर माइकल लार्सन नामक व्यक्ति ने एक भारतीय स्टोर वर्कर, सोहेल पर 15 बार चाकू से हमला किया। हैरानी की बात यह है कि हमला करने से पहले आरोपी ने बाकायदा पीड़ित से उसका धर्म पूछा था।

मैं भारत से हूं... मुसलमान हूं

चश्मदीद गवाह और पास के वेलरी स्टोर में काम करने वाली लूना नुनेज के अनुसार, लार्सन ने सोहेल के पास जाकर बातचीत शुरू की और पूछा कि वह कहाँ से है। सोहेल ने जवाब दिया, मैं इंडिया से हूँ, मेरा नाम सोहेल है। इसके बाद जब लार्सन ने पूछा कि क्या वह मुस्लिम है, तो सोहेल के हां कहते ही लार्सन ने उस पर अंधाधुंध चाकू चलाने शुरू कर दिए।

आरोपी ने कबूला जुर्म -मुस्लिम था, इसलिए मारना चाहता था

पुलिस की पूछताछ में आरोपी पीटर माइकल लार्सन ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, लार्सन ने स्वीकार किया कि उसने जानबूझकर सोहेल को निशाना बनाया क्योंकि वह मुस्लिम था और वह उसे जान से मार डालना चाहता था। फिलहाल लार्सन पर हत्या की कोशिश और खतरनाक हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं और उसे साल्ट लेक काउंटी जेल में रखा गया है।

परिवार का इकलौता सहारा है सोहेल

सोहेल के दोस्तों ने उसे एक बेहद मेहनती और हंसमुख इंसान बताया है। उसके दोस्त मोहम्मद अदनान, जिन्होंने सोहेल को हाल ही में मैनेजर के पद पर प्रमोट किया था, ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे पागलपन और हेट क्राइम करार देते हुए कहा कि सोहेल के पास इंश्योरेंस भी नहीं है और वह अपने परिवार (पत्नी और दो बच्चे) का इकलौता कमाने वाला सदस्य है। अदनान के मुताबिक, जब आप एक इंसान को मारने की कोशिश करते हैं, तो आप उसके पूरे परिवार को मार डालते हैं।

महिला की जबरन छाती दबाना, सलवार उतारना- रेप की कोशिश नहीं

नई दिल्ली । पटना हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि किसी महिला की छाती दबाना और उसकी सलवार हटाने का प्रयास करना हर मामले में दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आएगा। इस यौन अपराध से जुड़े मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायालय ने कहा यौन अपराधों के पीड़ितों के प्रति अदालतों के दृष्टिकोण को अधिक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण बनाना चाहिए। कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (एनजेए) द्वारा तैयार व्यापक दिशानिर्देशों को देशभर में प्रसारित करने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। पीठ ने आदेश दिया कि इस रिपोर्ट को देश के सभी उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों, राज्य विधि विभागों और अभियोजन निदेशालयों को भेजा जाए। पीठ ने सभी अभियोजन निदेशालयों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि ये दिशानिर्देश संबंधित सभी अधिकारियों तक पहुंचाए जाएं। साथ ही पुलिसकर्मियों को इस बात के प्रति संवेदनशील बनाया जाए कि यौन अपराध के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करते समय और आरोपपत्र दाखिल करते समय किन सुरक्षा उपायों का पालन किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने इस रिपोर्ट को एक उल्लेखनीय रिपोर्ट और टीम का सराहनीय प्रयास करार दिया, साथ ही भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के कार्य की प्रशंसा की। ये निर्देश वर्ष 2025 में एक मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू की गई कार्यवाही से जुड़े हैं। यह कार्यवाही इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस विवादित फैसले के बाद शुरू हुई थी, जिसमें कहा गया था कि एक नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना और उसकी सलवार का नाड़ा खोलने का प्रयास करना केवल बलात्कार की तैयारी है, न कि बलात्कार का प्रयास। इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई थी और बाल अधिकार संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने इसे चुनौती दी थी। उच्चतम न्यायालय ने 26 मार्च को यौन अपराधों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में न्यायिक आदेशों में इस्तेमाल की जाने वाली असंवेदनशील भाषा और शब्दावली पर भी स्वतः संज्ञान लिया था। बाद में न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला रद्द करते हुए कहा कि यह स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण है और आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों के विपरीत है। अदालत ने उस मामले में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत बलात्कार के प्रयास का आरोप फिर से बहाल कर दिया। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को निर्देश दिया था कि वह यौन उत्पीड़न के पीड़ितों से जुड़े मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के वास्ते एक विशेषज्ञ समिति गठित करे।

'रैड कॉरिडोर' से वापसी का रास्ता

वरिष्ठ नेताओं को हत्या, गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण सहित विभिन्न तरीकों से समाप्त किया जा रहा था। इकाइयों के बीच संचार तेजी से कठिन होता जा रहा था और रैंकों में अनिश्चितता फैल गई थी। जिस आत्मविश्वास ने कभी आंदोलन को जीवित रखा था, उसने इसके दीर्घकालिक अस्तित्व को लेकर संदेहों को जन्म दे दिया था। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में, पापा राव और 18 अन्य माओवादियों ने 24 मार्च, 2026 को आत्मसमर्पण कर दिया। सुरक्षा अधिकारी इस घटना को हाल के वर्षों में उग्रवाद के लिए सबसे बड़े झटकों में से एक मानते हैं। अपने तत्काल प्रभाव से परे, इसने माओवादी रैंकों को यह संदेश दिया कि अनुभवी कमांडर भी अब आश्वस्त नहीं थे कि आंदोलन अनिश्चित काल तक खुद को बनाए रख सकता है। बाद के महीनों में, छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में और अधिक कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। पुनर्वास प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, सरकार ने पापा राव को कड़ी निगरानी में रखा है।

सालों तक, दक्षिण बस्तर के जंगलों में रहने वाले ग्रामीण उसका नाम लेने से कतराते थे। माओवादी आंदोलन के इस गढ़ में, पापा राव उसके वर्चस्व का प्रतीक था। किसी गांव में उसकी मौजूदगी यह तय कर सकती थी कि किससे पूछताछ की जाएगी, किसे सजा दी जाएगी और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, कौन पुलिस का मुखबिर होने के लगातार संदेह के साए में जिएगा। डर ही उसका सबसे बड़ा हथियार था। हालांकि, आज वह डर अपनी वफादारी बदल चुका है। पापा राव को अब सुरक्षा बलों द्वारा पीछा किए जाने का डर नहीं है। इसकी बजाय, उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उन्हीं पुलिस और अर्धसैनिक बलों पर है, जिनसे उसने सालों तक लड़ाई लड़ी थी। यह बदलाव इसलिए नहीं है क्योंकि अतीत मिट गया है, बल्कि इसलिए है, क्योंकि उस अतीत के परिणाम अपरिहार्य हो गए हैं। जो ग्रामीण कभी माओवादी प्रभाव में रहते थे, उन्होंने उसे माफ नहीं किया। पंचायत सदस्य भूमिगत आंदोलन के दौरान उसके वर्षों से जुड़ी हिंसा को लेकर गहरा आक्रोश रखते हैं। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि बिना सुरक्षा के, उसकी जान को खतरा पुलिस से नहीं, बल्कि उन लोगों से होगा, जिन्हें लगता है कि कभी न्याय नहीं मिला। उनका कहना है कि पीड़ितों में से कई सामान्य ग्रामीण थे, जिन पर पुलिस मुखबिर होने का झूठा आरोप लगाया गया था। कुछ तो किशोर थे। इसके जवाब में, प्रशासन ने एक असामान्य रुख अपनाया है। अधिकारियों ने ग्रामीण नेताओं से संपर्क किया और उनसे बदला न लेने का आग्रह किया है। उनका संदेश सीधा है-एक बार जब कोई विद्रोही औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण कर देता है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार पर आ जाती है। कोई इस नीति से सहमत हो या नहीं, यह पुनर्वास के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को दर्शाता है कि हथियार डालने वालों से किए गए वादों को पूरा किया जाना चाहिए, यदि दूसरों से भी ऐसा ही करने की उम्मीद की जाती है। माओवादी संगठन के रैंकों में पापा राव का उभार लगातार प्रगति के साथ हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक एरिया कमेटी सदस्य के रूप में की और बाद में 2025 में दक्षिण उप-जोनल कमांडर के पद पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियां उन पर वर्षों से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) और सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) सहित कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कई हमलों में बड़ी भूमिका निभाने का आरोप लगाती हैं। इन अभियानों के परिणामस्वरूप कुल मिलाकर 100 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। हालांकि, 2026 की शुरुआत तक, जिस संगठन को उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था, वह अभूतपूर्व तनाव का सामना कर रहा था। महीनों तक चले लगातार उग्रवाद-विरोधी अभियानों ने माओवादी संरचनाओं के लिए उपलब्ध परिचालन क्षेत्र को काफी कम कर दिया था। वरिष्ठ नेताओं को हत्या, गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण सहित विभिन्न तरीकों से समाप्त किया जा रहा था। इकाइयों के बीच संचार तेजी से कठिन होता जा रहा था और रैंकों में अनिश्चितता फैल गई थी। जिस आत्मविश्वास ने कभी आंदोलन को जीवित रखा था, उसने इसके दीर्घकालिक अस्तित्व को लेकर संदेहों को जन्म दे दिया था। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में, पापा राव और 18 अन्य माओवादियों ने 24 मार्च, 2026 को आत्मसमर्पण कर दिया। सुरक्षा अधिकारी इस घटना को हाल के वर्षों में उग्रवाद के लिए सबसे बड़े झटकों में से एक मानते हैं। अपने तत्काल प्रभाव से परे, इसने माओवादी रैंकों को यह संदेश दिया कि अनुभवी कमांडर भी अब आश्वस्त नहीं थे कि आंदोलन अनिश्चित काल तक खुद को बनाए रख सकता है। बाद के महीनों में, छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में और अधिक कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। पुनर्वास प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, सरकार ने पापा राव को कड़ी निगरानी में रखा है। यद्यपि वह अपने ऊपर घोषित इनाम राशि (25 लाख रुपए) के साथ-साथ अपनी ए.के.-47 राइफल सौंपने के लिए 3 लाख रुपए प्राप्त करने के पात्र हैं, लेकिन ये लाभ पुनर्वास ढांचे के साथ उनके निरंतर अनुपालन पर निर्भर हैं। अधिकारी उन्हें पूरी तरह से पुनर्वासित मानने से पहले उनके आचरण की निगरानी करने का इरादा रखते हैं। यह रेखांकित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि उनके आत्मसमर्पण को दोषमुक्ति नहीं समझा जाना चाहिए। एक आत्मसमर्पण पीड़ितों द्वारा झेली गई पीड़ा या अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के दर्द को मिटा नहीं सकता। इसके अलावा, यह भूमिगत रहने के दौरान उनके कार्यकाल में की गई ज्यादतियों के आरोपों को भी खारिज नहीं करता। हालांकि, उनके आत्मसमर्पण का महत्व किसी एक कमांडर के भाग्य से कहीं अधिक बड़ा है। यह एक नए चरण में प्रवेश कर रहे संघर्ष को दर्शाता है-ऐसा चरण, जहां कभी डर के बल पर चलाया जाने वाला वर्चस्व अब कमजोर हो रहा है, जहां कभी अपनी शर्तें तय करने वाले कमांडर सशस्त्र संघर्ष की बजाय बातचीत का विकल्प चुन रहे हैं और जहां राज्य की सबसे बड़ी चुनौती अब केवल किसी उग्रवाद को हराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि जो लोग इसे छोड़ चुके हैं, वे कभी भी वापस लौटने के लिए मजबूर महसूस न करें। वर्तमान में, पापा राव का जीवन एक ऐसी वास्तविकता से परिभाषित होता है, जो कभी अकल्पनीय लगती थी। जो व्यक्ति कभी डर पैदा करता था, वह आज इसलिए जीवित है, क्योंकि दूसरे लोग डर को उस तक पहुंचने से रोक रहे हैं।

सम्पादकीय

बिलबिला रहे हैं बिलावल !

भारत ने पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में चिनाब नदी पर बने बगलीहार बांध के तीन गेट खोलकर पानी पाकिस्तान की ओर छोड़ा तो पाकिस्तान बौखला गया। अभी तक तो पानी नहीं छोड़ने पर खफा था और अब उसकी सेना से लेकर उसके नेता तक खौफनाक धमकी के मूड में आ गए हैं। सबसे ज्यादा पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो बिलबिला रहे हैं जो सीधे-सीधे जंग की भाषा बोल रहे हैं, वो भूल गए 1971 जब 93 हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत की सेना के सामने सरेंडर किया था। पानी के लिए तीसरे विश्व युद्ध के मुहावरे का उपयोग काफी समय से होता रहा है लेकिन पाकिस्तानी तो सचमुच युद्ध की बात करने लगे हैं। मामला यह है कि भारत की ओर से पाकिस्तान की ओर जाने वाली नदियों के पानी को लेकर दोनों देशों में 1960 से ही एक संधि रही है। इसके तहत रावी, सतलुज और ब्यास नदी के पानी पर पूरा हक भारत का है, जबकि झेलम, सिंधु और चिनाब नदी का पानी पाकिस्तान को मिलता है। यदि इन नदियों में पानी ज्यादा आ जाए तो भारत बाढ़ की पूर्व सूचना पाकिस्तान को देता था, मगर पिछले साल पहलगाम की आतंकी घटना के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। भारत ने जल संधि को निलंबित कर दिया, अब भारत इस बात के लिए बाध्य नहीं है कि नदियों में पानी को लेकर किसी भी तरह की जानकारी पाकिस्तान के साथ साझा करे। इसलिए बगलीहार बांध का पानी छोड़ने से पहले सूचना नहीं दी गई। पाकिस्तान की करीब 90 प्रतिशत खेती सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है, उसके पास इतने डैम नहीं हैं कि वह नदी के पानी को जरूरत के वक्त उपयोग के लिए संभाल कर रख सके, इसलिए गर्मी के दौरान उसे बहुत परेशानी हुई। वह दुनियाभर में गिड़गिड़ा रहा है, संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिख रहा है। मगर भारत अडिग है कि आतंकवाद समाप्त करो, तभी बातचीत होगी। तो अब वह भारत को धमकाने की कोशिश कर रहा है, सिंधु जल समझौता भारत की ओर से निलंबित किए जाने के बाद पिछले साल पाकिस्तान की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक हुई थी जिसमें कहा गया था कि पानी रोकने या पानी का रास्ता बदलने की कोशिश को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। अब फिर जनरल आसिम मुनीर की अध्यक्षता में सेना की कोर कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि पाकिस्तानी सेना हक के लिए लड़ेगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने भी कहा था कि पानी रोकने की कोशिश को युद्ध जैसी कार्रवाई माना जाएगा। यानी सबकी भाषा जंग की ही है। मगर बिलावल भुट्टो आगे निकल गए, उन्होंने गिलगित की जनसभा में कहा कि भारत सिंधु नदी को हथियार के तौर पर पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल करना चाहता है। यदि जंग लड़नी पड़े तो जंग लड़ने को तैयार हैं। बिलावल की इस बात पर मुझे हंसी आ रही है, यदि तुम्हारे नाना और तुम्हारी मां जिंदा होती तो तुम्हें समझाते कि पाकिस्तान के पास जंग की औकात नहीं है। मि. भुट्टो, हम बड़े दिल वाले लोग हैं मगर हम किसी की हेकड़ी भी बर्दाश्त नहीं करते, तुम्हारा देश आतंकवाद को जिस दिन पालना-पोसना बंद कर देगा, भारत उसी दिन उसे माफ कर देगा।

मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने आगरा के किसान श्री मतेन्द्र सेंगर की तकदीर बदली

उत्तर प्रदेश में कृषि और पशुपालन सदियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के दो मजबूत आधार रहे हैं। जहां खेती किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन है, वहीं डेयरी व्यवसाय उन्हें नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध कराता है। बदलते समय के साथ कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए आवश्यक हो गया है कि किसानों को ऐसे वैकल्पिक आय स्रोत उपलब्ध कराए जाएं, जो उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों प्रदान करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इसी उद्देश्य के साथ किसानों और पशुपालकों को आधुनिक डेयरी व्यवसाय से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ऐसी ही एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो किसानों के जीवन में समृद्धि की नई कहानी लिख रही है। जनपद आगरा के निवासी श्री मतेन्द्र सेंगर, पिता श्री उदयवीर सिंह, लंबे समय से कृषि एवं पशुपालन से जुड़े रहे हैं। खेती से होने वाली आय परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रमुख आधार थी, लेकिन अन्य छोटे किसानों की तरह उनके सामने भी आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की चुनौती थी। ऐसे समय में उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत चयनित होने के बाद उन्होंने आधुनिक डेयरी व्यवसाय की दिशा में कदम बढ़ाया और यही निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। वर्ष 2024-25 में उन्होंने योजना के अंतर्गत 23.60 लाख रुपये की लागत से आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। इस परियोजना पर उन्हें कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे डेयरी व्यवसाय प्रारंभ करना आर्थिक रूप से सहज और व्यावहारिक बन गया। योजना के तहत उन्होंने 10 स्वदेशी नस्ल की साहीवाल एवं गिर गायों पर आधारित आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। सरकार द्वारा प्राप्त सहयोग ने उन्हें न केवल आर्थिक संबल दिया, बल्कि आधुनिक पशुपालन अपनाने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया। डेयरी इकाई की स्थापना के बाद श्री मतेन्द्र सेंगर ने वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित पशुपालन पद्धतियों को अपनाया।

पशुओं के संतुलित पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छ रख-रखाव और आधुनिक प्रबंधन के कारण उनकी डेयरी की उत्पादकता लगातार बढ़ी। वर्तमान में उनकी डेयरी से प्रतिदिन लगभग 100 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। नियमित दुग्ध उत्पादन और प्रभावी विपणन व्यवस्था के कारण उनकी औसत वार्षिक आय लगभग 18 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि खेती के साथ पशुपालन भी आय का स्थायी और भरोसेमंद स्रोत बन गया है। इस सफलता का प्रभाव केवल उनकी आय तक सीमित नहीं रहा।

आधुनिक डेयरी इकाई के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। पशुओं की देखभाल, दुग्ध संग्रहण, चारा प्रबंधन और अन्य गतिविधियों से आसपास के लोगों को भी रोजगार मिलने लगा है। इस प्रकार यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को भी प्रोत्साहित कर रही है। श्री मतेन्द्र सेंगर का मानना है कि यदि उन्हें सरकार की इस योजना का सहयोग नहीं मिला होता, तो इतनी बड़ी आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित करना संभव नहीं था। वे अपनी सफलता का श्रेय उत्तर प्रदेश सरकार तथा दुग्धशाला विकास विभाग को देते हुए कहते हैं कि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास के साथ एक सफल डेयरी उद्यमी बनने का अवसर भी प्रदान किया।

आज वे अन्य किसानों और पशुपालकों को भी आधुनिक डेयरी व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार की यह योजना स्वदेशी गोवंश के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के अंतर्गत साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातिरी जैसी स्वदेशी नस्लों पर आधारित हाईटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजनान्तर्गत10 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई के लिए 23.60 लाख रुपये की अनुमानित परियोजना लागत निर्धारित की गई है, जिसमें 15 प्रतिशत लाभार्थी अंश, 35 प्रतिशत बैंक ऋण तथा अधिकतम 50 प्रतिशत (11.80 लाख रुपये तक) अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। अनुदान की राशि दो समान किस्तों में दी जाती है, जिससे लाभार्थियों को डेयरी इकाई स्थापित करने में आर्थिक सुविधा मिलती है। इस योजना के अंतर्गत खरीदी जाने वाली गायों का प्रदेश के बाहर से अधिकृत ब्रीडिंग ट्रैक्टर के माध्यम से क्रय, सभी पशुओं की ईयर टैगिंग तथा बीमा कराना अनिवार्य किया गया है। आधुनिक एवं मानकीकृत कैटल शेड का निर्माण, वैज्ञानिक पशुपालन व्यवस्था तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास भी योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ ही लाभार्थी के पास डेयरी इकाई के लिए लगभग 0.20 एकड़ भूमि तथा चारा उत्पादन के लिए लगभग 0.80 एकड़ भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है। इन प्रावधानों का उद्देश्य केवल डेयरी इकाई स्थापित करना नहीं, बल्कि उसे दीर्घकाल तक सफल और लाभकारी बनाए रखना है। आज श्री मतेन्द्र सेंगर की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्र तक पहुंचे और उन्हें आधुनिक तकनीक तथा वैज्ञानिक प्रबंधन का सहयोग मिले, तो ग्रामीण परिवारों की आर्थिक तस्वीर बदली जा सकती है। उनकी कहानी केवल एक किसान की सफलता नहीं, बल्कि उन हजारों किसानों के लिए प्रेरणा है जो कृषि के साथ पशुपालन को जोड़कर अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने, स्वदेशी गोवंश के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना इसी संकल्प का प्रभावी उदाहरण है, जिसने अनेक किसानों को रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया मार्ग दिखाया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। Phone : 9810674206

तलाक के 12 साल बाद फिर दुल्हन बन सकती हैं जेनिफर विंगेट? दावा- गुरुवार को यूके में होगी शादी

जेनिफर विंगेट अपनी पर्सनल लाइफ में एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम में एक प्राइवेट सेरेमनी में विलियम इश्माएल के साथ शादी करेंगी। बताया जाता है कि यह एक प्राइवेट इवेंट होगा जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। बॉम्बे टाइम्स के मुताबिक जेनिफर विंगेट कल यानी गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम में विलियम इश्माएल के साथ शादी करेंगे। काफी समय से जेनिफर और विलियम इश्माएल के डेटिंग की खबरें आ रही थीं। जेनिफर विंगेट की पर्सनल लाइफ अक्सर चर्चा में रही है। एक्ट्रेस ने कुछ साल तक डेटिंग करने के बाद 9 अप्रैल, 2012 को अपने दिल मिल गए के को-स्टार करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी। हालांकि, उनकी शादी दो साल के अंदर ही खत्म हो गई और 2014 में वे अलग हो गए। इसके बाद से जेनिफर अपने करियर पर फोकस कर रही हैं।

जेनिफर ने कोड एम और रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ ओटीटी स्पेस में कदम रखा है। उन्होंने एक बहुमुखी कलाकार के तौर पर अपनी पहचान और मजबूत की है। वह जल्द ही परिणीति चोपड़ा के साथ तलाश अ मदर्स सर्च नाम के एक और डिजिटल प्रोजेक्ट में नजर आएंगी।

अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करने से काफी हद तक दूर रही हैं। इन वर्षों में जेनिफर ने कई शो में काम किया है। इनमें कसौटी जिंदगी की, सरस्वतीचंद्र, बेहद, बेपनाह और दिल मिल गए शामिल हैं। उन्हें बेहद में माया मेहरोत्रा के रोल को काफी तारीफ मिली। जेनिफर ने कोड एम और रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ ओटीटी स्पेस में कदम रखा है। उन्होंने एक बहुमुखी कलाकार के तौर पर अपनी पहचान और मजबूत की है। वह जल्द ही परिणीति चोपड़ा के साथ तलाश अ मदर्स सर्च नाम के एक और डिजिटल प्रोजेक्ट में नजर आएंगी।

पैपराजी पर भड़कीं मौनी रॉय- लगातार वीडियो बनाने पर कहा- बंद करो, इंस्टाग्राम स्टोरी में तस्वीरें और वीडियो नहीं लेने की अपील की

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान के बाद अब मौनी रॉय भी पैपराजी पर भड़क गई हैं।

दरअसल मंगलवार रात मुंबई में दोस्तों के साथ डिनर के बाद जब वे अपनी कार में बैठीं, तो फोटोग्राफर्स लगातार उनका वीडियो बनाने लगे। इससे गुस्सा होकर मौनी ने हाथ के इशारे से कैमरे बंद करने को कहा। वीडियो में दिख रहा है कि मौनी रॉय अपनी कार की सीट पर बैठी हैं। उन्होंने स्लीवलेस ब्लैक आउटफिट पहना है और बाल खुले रखे हैं। कार के अंदर बैठे होने के बाद भी जब फोटोग्राफर्स खिड़की से लगातार उनका वीडियो रिकॉर्ड करते रहे, तो मौनी का गुस्सा बढ़ गया। उन्होंने पहले हाथ से इशारा किया और फिर उंगली दिखाते हुए सख्त लहजे में कहा, बंद करो। मौनी ने काफी धैर्य रखने की कोशिश की, लेकिन पैपराजी के न मानने पर वे नाराज हो गईं और फिर उनकी गाड़ी वहां से रवाना हो गई। कृपया अब कभी भी मेरी तस्वीरें या वीडियो मत लें। मैंने काफी समय से आप लोगों को खुद नहीं बुलाया है। मैं आप सबसे प्यार और सम्मान करती हूं, लेकिन आपको नहीं बुलाऊंगी। इसलिए कृपया अब कभी मेरे पास मत आइए। अगर अगली बार किसी को मेरी पैपराजी तस्वीरें या वीडियो दिखें, तो यह मत समझिए कि मैंने उन्हें बुलाया था। मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि आप मेरी तस्वीरें या वीडियो लें।

बस कृपया इसे बंद कर दीजिए। दोबारा कभी नहीं। आप सभी के लिए मेरा प्यार और सम्मान। हालांकि, बयान शेयर करने के कुछ समय बाद ही मौनी रॉय ने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी।

प्रेग्नेंसी में डोसा खाने पहुंची दीपिका पादुकोणः रणवीर सिंह लंच डेट पर लेकर पहुंचे; दूसरे बचे का स्वागत करने वाला है कपल

बॉलीवुड कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपने दूसरे बचे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच दोनों मुंबई में लंच डेट के लिए पहुंचे। मंगलवार को यह कपल भारी सुरक्षा के बीच मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट में बेने डोसा खाने पहुंचा। सोशल मीडिया पर इस आउटिंग के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें दोनों रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह रेस्टोरेंट में खाना खाने के बाद बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। दोनों ने इस आउटिंग को काफी सिंपल रखा और कैजुअल कपड़े पहने हुए थे। दीपिका ने एक ढीला को-आर्ड सेट पहना था, जबकि रणवीर टी-शर्ट और काली पैंट में नजर आए। दोनों ने अपने चेहरे पर मास्क लगा रखा था और वे अपनी कार की तरफ बढ़ गए। जब वे रेस्टोरेंट से बाहर आ रहे थे, तब दीपिका के सुरक्षाकर्मियों ने वहां मौजूद लोगों से वीडियो न बनाने का अनुरोध भी किया। दीपिका और रणवीर का इस रेस्टोरेंट से पुराना जुड़ाव रहा है। यह पहली बार नहीं है जब दोनों इस जगह पर बेने डोसा खाने पहुंचे हैं। इससे पहले भी यह कपल रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 की सफलता का जश्न मनाने के लिए इसी रेस्टोरेंट में आया था। उस समय भी उनकी इस विजिट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं और फैंस ने उनके इस फूडी अंदाज को पसंद किया था। इन दिनों सोशल मीडिया पर लिमिटेड पोस्ट शेयर कर रहीं दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है। उन्होंने प्रेग्नेंसी पोस्ट के बाद एक एड का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो बेबी बंप के साथ मस्तीभरे अंदाज में दिख रही हैं।

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने कुछ समय पहले ही इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट पोस्ट शेयर कर दूसरी बार पेरेंट्स बनने की जानकारी दी थी। इस पोस्ट में उनकी बेटी दुआ पादुकोण सिंह एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़े नजर आ रही थी, जिस पर दो पिंक लाइनें बनी थीं। दीपिका और रणवीर ने साल 2018 में इटली में शादी की थी। इसके बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपनी पहली बेटी दुआ का स्वागत किया था। इन दो बड़े प्रोजेक्ट्स से अलग होने के बाद दीपिका को शाहरुख खान की फिल्म किंग के लिए फाइनल किया गया है। यह शाहरुख खान के साथ उनकी छठी फिल्म होगी। हाल ही में इस फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें भी लीक हुई थीं, जिससे लोगों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसके अलावा दीपिका इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ अपनी अगली फिल्म राका की तैयारियों में भी व्यस्त हैं। सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन एटली कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनुराधा पौडवाल ने राम मंदिर डोनेशन स्कैम को लेकर की गई टिप्पणी पर दी प्रतिक्रिया, बोलीं- 'राय रखने की आजादी

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली गायिका अनुराधा पौडवाल ने राम मंदिर की चोरी मामले पर दुख जताया था, ऐसा करने वालों पर काफी कुछ कहा था। साथ ही देश के विश्वगुरु बनने वाली बात पर शंका प्रकट की थी। उनकी कही इन बातों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जिसे लेकर अनुराधा पौडवाल ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया के जरिए इस पूरे मामले पर स्पष्ट तौर पर अपनी प्रतिक्रिया सामने रखी है। बुधवार को साझा की गई एक इंस्टाग्राम पोस्ट में अनुराधा पौडवाल लिखती हैं, 'मेरे सभी परिवार, दोस्तों और फैंस को नमस्कार। मेरे काम के लिए आपने जो प्यार और सम्मान दिया है, मैं उसकी सराहना करती हूं। मैं भी अपने देश और उसके नेतृत्व से प्यार करती हूं और उनका सम्मान करती हूं। मैं के अलावा हर नागरिक यह समझता है कि दुनिया में आगे बढ़ने और नेतृत्व करने के लिए हमें शिक्षित होना होगा। मैं हमेशा इस बात का समर्थन करूंगी। लेकिन इस देश में हम सभी को सम्मानपूर्वक अपनी राय रखने की आजादी है।'वह पोस्ट में आगे लिखती हैं, 'मुझे बहुत बुरा लगता है जब किसी बातचीत को संदर्भ से हटाकर सनसनीखेज बनाया जाता है। उसका गलत मतलब निकाला जाता है। मैं ऐसे वीडियो का समर्थन नहीं करती और लोगों से अनुरोध करती हूं कि वे ऐसे क्रिएटर्स को बढ़ावा न दें। कृपया ध्यान दें कि यह कोई सफाई नहीं है। लेकिन किसी को भी अपनी सुविधा के लिए बातचीत को संदर्भ से हटकर इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।'

बीते दिनों शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर अनुराधा पौडवाल ने देश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताते हुए भारत के विश्वगुरु वाले नैरेटिव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हालांकि लोग अक्सर भारत के ग्लोबल लीडर बनने की बात करते हैं लेकिन हजारों स्कूलों के बंद होने से उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जरूरी बुनियाद पर सवाल उठते हैं। अनुराधा पौडवाल ने कहा कि कुछ साल पहले तक उन्हें भी लगता था कि भारत विश्वगुरु बनेगा लेकिन मौजूदा हालात देखने के बाद उनका नजरिया बदल गया है। उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले मुझे भी लगता था कि भारत विश्वगुरु बनेगा। लेकिन अब मैं ऐसी चीजें होते हुए देख रही हूं जो उस सोच के उलट लगती हैं। यह बकवास बंद होनी चाहिए।' अनुराधा पौडवाल ने कथित राम मंदिर डोनेशन स्कैम का जिक्र करते हुए कहा कि अगर गहरी आस्था वाली जगहों पर भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, तो इससे गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत विश्वगुरु बनना चाहता है, तो उसे सबसे पहले उस सोच से जुड़े मूल्यों और सिद्धांतों को अपनाना होगा।

प्रेग्नेंट सामंथा ने साझा की बेबी मून की झलक, पति राज के साथ छुट्टियां एंजॉय करती नजर आई

एक्ट्रेस अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु अभी मैटरनिटी ब्रेक पर हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने पति राज निदिमोरू के साथ थाईलैंड के हुआ हिन में बिताए अपने बेबीमून की झलकियां शेयर की हैं। इस दौरान उन्होंने अपना बेबी बंप दिखाया। एक्टर ने फैंस के साथ कुछ प्यारे पल शेयर किए हैं, जिनमें वेलनेस, अछे खाने और साथ में बिताए क्वालिटी टाइम से भरी आरामदायक छुट्टियों की झलक मिलती है। इन तस्वीरों में सामंथा को हेल्दी खाना खाते, स्पा थेरेपी का मजा लेते, एक्सरसाइज़ करते और थाईलैंड के खूबसूरत शहर को घूमते हुए देखा जा सकता है। कुछ तस्वीरों में वह अपना बेबी बंप दिखाती नजर आ रही हैं। जबकि एक प्यारी तस्वीर में वह राज को पीछे से गले लगाती हुई दिख रही हैं। एक और तस्वीर सामंथा के काम और निजी जिंदगी के बीच तालमेल की झलक दिखाती है, जिसमें वह एक आईपैड पकड़े हुए हैं। इस पर मां इंटी बंगारम के 100 करोड़ रुपये के बॉक्स ऑफिस माइलस्टोन का जश्न मनाने वाला पोस्टर दिख रहा है। अपनी हालिया फिल्म के प्रमोशन में हफ्तों बिताने के बाद सामंथा छुट्टियों के दौरान आराम से समय बिताती नजर आईं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'वेलनेस (सेहत और सुकून) हमेशा से मेरी पसंदीदा तरह की यात्रा रही है।' इससे पहले मां इंटी बंगारम की सफलता के जश्न के दौरान सामंथा ने कन्फर्म किया था कि प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद वह एक्टिंग से ब्रेक लेंगी। सामंथा इस साल के आखिर में फिल्ममेकर राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बचे की उम्मीद कर रही हैं। इस कपल ने दिसंबर 2025 में कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में एक निजी योगिक समारोह में शादी की थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा आखिरी बार मां इंटी बंगारम में नजर आई थीं, जिसे उन्होंने राज निदिमोरु और हिमांक रेड्डी डुव्वुरु के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया था।

छतरपुर में फिर तेज हुआ चिता आंदोलन, आदिवासी महिलाओं ने नदी में उतरकर किया फांसी सत्याग्रह

अशोका एक्सप्रेस

मध्य प्रदेश, छतरपुर जिले में केन-बेतवा परियोजना के विरोध में आदिवासियों का आंदोलन एक बार फिर तेज हो गया है। 3 जुलाई से बराना नदी किनारे, कूपी गांव के पास चल रहे आंदोलन में मिट्टी सत्याग्रह, जल सत्याग्रह के साथ अब ÷फांसी सत्याग्रह÷ भी किया जा रहा है।

आंदोलन के दौरान आदिवासी महिलाओं ने नदी में उतरकर अपने गले में फंदा डालकर विरोध जताया और ÷न्याय दो या मार दो÷ के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन ऐसा विकास स्वीकार नहीं है जिसमें हजारों परिवारों का जीवन, जमीन और जंगल उजड़ जाए।

प्रभावित आदिवासी परिवारों की प्रमुख मांगें हैं कि उन्हें उचित पुनर्वास दिया जाए, मुआवजे में महिला और पुरुषों के बीच समानता रखी जाए, भुगतान में हुई कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच हो, मानसून के दौरान जबरन तोड़फोड़ रोकी जाए और वन अधिकार कानून का पूरी तरह पालन किया जाए।

जानकारी के अनुसार, छतरपुर जिले में करीब 5,288 परिवार और पन्ना जिले में लगभग 1,400 परिवार विस्थापन की स्थिति का सामना कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या गोंड और कोल आदिवासी समुदायों की बताई जा रही है। वहीं, पन्ना टाइगर रिजर्व के करीब 10,500 हेक्टेयर जंगल के प्रभावित होने की बात भी सामने आ रही है।

आंदोलनकारियों का सवाल है कि विकास जरूरी है, लेकिन उसकी कीमत आखिर कौन चुका रहा है? उनका कहना है कि परियोजनाओं के साथ प्रभावित लोगों के अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

अब नजर प्रशासन और सरकार के अगले कदम पर है कि प्रभावित परिवारों की मांगों पर क्या समाधान निकाला जाता है।

खाद की कालाबाजारी करने वालों की अब खैर नहीं, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई - डीएम महेंद्र तंवर

कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जुलाई माह का किसान दिवस आयोजित हुआ। बैठक में किसानों ने खाद की कालाबाजारी, ओवररेटिंग, यूरिया की टैगिंग, आवारा पशु, जर्जर विद्युत तार, जलभराव, सिंचाई, नलकूप कनेक्शन, भूमि पैमाइश तथा फार्मर रजिस्ट्री सहित विभिन्न समस्याएं उठाईं। जिलाधिकारी ने खाद की कालाबाजारी और निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने के मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि किसानों का किसी भी प्रकार का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कृषि विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण अभियान चलाकर दोषी विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत उप कृषि निदेशक द्वारा पिछली किसान दिवस बैठक में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जानकारी देने से हुई। जिलाधिकारी ने शिकायतों की बिंदुवार समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली। अग्रणी जिला प्रबंधक ने बताया कि बैंकों में अधिवक्ताओं का चयन निर्धारित नियमों के तहत होता है और प्रत्येक शाखा में एक से अधिक अधिवक्ता सूचीबद्ध रहते हैं, जिससे किसान अपनी सुविधा के अनुसार चयन कर सकते हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने आवारा बछड़ों को पकड़कर गौशालाओं में भेजने का आश्वासन दिया। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने जर्जर विद्युत तारों को शीघ्र बदलने की बात कही। बाढ़ खंड के अधिकारियों ने बताया कि रुधवलिया क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर किसी भी प्रकार का अवैध अवरोध नहीं लगाया जाएगा और ऐसा करने वालों पर कार्रवाई होगी। कृषि विभाग की ओर से आयोजित किसान मेलों और जागरूकता कार्यक्रमों में किसानों, विशेषकर महिला किसानों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। यू.पी. नेडा कार्यालय से संबंधित शिकायत पर जिलाधिकारी ने बताया कि विभाग का कार्यालय जनपद में संचालित है तथा वर्तमान में समाज कल्याण अधिकारी (विकास) इसके प्रभारी हैं। भूमि पैमाइश की शिकायतों पर संबंधित तहसीलदारों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने किसानों से फार्मर रजिस्ट्री जल्द पूरी कराने की अपील करते हुए कहा कि भविष्य में खाद, बीज, कृषि अनुदान और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए यह आवश्यक होगी। जिन किसानों के नाम, आधार या राजस्व अभिलेखों में विसंगति है, वे शीघ्र संशोधन कराएं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि नलकूप कनेक्शन, सिंचाई सुविधाएं और समय पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही कृषि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचाने तथा तहसील एवं विकासखंड स्तर पर नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता), अधिशासी अभियंता विद्युत, जिला समन्वयक फसल बीमा, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

रीवा जोन में नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार, मऊगंज में कथित एमडी ड्रग्स निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़

रीवा/मऊगंज। (श्री निवास मिश्रा) रीवा जोन में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मऊगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने शाहपुर थाना क्षेत्र के बिझौली गांव में कथित रूप से संचालित एमडी (ख्र) ड्रग्स निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में रसायन, एसिड, उपकरण, तैयार एवं अर्ध-तैयार सामग्री के साथ एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया है।

पुलिस अधीक्षक एस.के. जैन के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यहां तैयार किया गया मादक पदार्थ कथित रूप से रीवा क्षेत्र से अन्य राज्यों, विशेषकर मुंबई, तक भेजा जाता था। पुलिस अब पूरे सप्लाई नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य करोड़ों रुपये है। बरामद रसायनों एवं अन्य साक्ष्यों को परीक्षण के लिए भेजा गया है, जबकि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। जांच के आधार पर आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना भी जताई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रीवा जोन में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए हर पहलू की गहन जांच की जा रही है।

अशोका एक्सप्रेस

अशोका एक्सप्रेस की बेवसाईड से जुड़ने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन करे।

अशोका एक्सप्रेस
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार-पत्र

प्रिय पाठक, विज्ञापन दात्ता,
आप अपने क्षेत्र की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य तथा धार्मिक लेख, कविता एवं कार्टून लिख भेजें। व्हाट्सएप या ईमेल पर आपके द्वारा भेजी गई सामग्री सुव्यवस्थित ढंग से प्रकाशित किया जायेगा।
नोट: पूर्व प्रकाशित लेखो को न भेजे।

संपादक: विजय कुमार

Website: https://ashokaexpress.com/, Email:-ashoka.express@live.com, Mobile No. 9810674206

अशोका एक्सप्रेस को आर्थिक योगदान भी कर सकते है।

Account Holder Name : ASHOKA EXPRESS
Bank Account No. : 10650995502 & 41856402452
IFSC Code : SBIN0004846
UPI ID : 9810674206@sbi

केजरीवाल आज जंतर-मंतर पर वांगचुक से मिलेंगे, आप ने लोगों से भी प्रदर्शन में शामिल होने को कहा

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुरुवार को पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात करेंगे। पार्टी विधायक संजीव झा ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने लोगों से कथित परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया। झा ने बताया कि यह प्रदर्शन देश के युवाओं के लिए पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है। इसका लक्ष्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो संदेश साझा किया।

झा ने कहा कि वांगचुक 17 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। वह किसी निजी हित के लिए नहीं, बल्कि युवा लोगों के भविष्य के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका यह प्रदर्शन परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर है। आप नेता ने सोनम वांगचुक को एक समर्पित समाज कार्यकर्ता बताया। उन्होंने अपना जीवन समाज को समर्पित किया है। लद्दाख में जल संरक्षण और सतत पर्वतीय विकास के क्षेत्रों में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। आप नेता ने कहा कि लंबे उपवास के कारण कार्यकर्ता का स्वास्थ्य बिगड़ गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक का मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीती 28 जुलाई से आमरण अनशन कर रहे हैं। सोनम वांगचुक द्वारा की जा रही भूख हड़ताल को लेकर हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने कल तक जवाब देने को कहा है। याचिका पर मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खण्डपीठ सुनवाई कर रही थी।

टूटते वैवाहिक रिश्तों और दरकते पारिवारिक स्तम्भों के बीच मातृशक्ति से संवाद करेंगे मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 24 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी में 500 से अधिक मातृ शक्ति के साथ संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कुटुंब प्रबोधन, महिला नेतृत्व और समाज में महिलाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा होगी। यह चर्चा दरकते पारिवारिक स्तम्भों को बचाने के संबंध में होगी। जनपथ मार्ग स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में होने वाले इस संवाद में कुल 700 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इसमें संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ-साथ समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था, मनोरंजन, खेल और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी प्रमुख महिला शक्तियां शामिल होंगी। डा. भागवत का दो घंटे का प्रबोधन मुख्य आकर्षण होगा। संवाद का आयोजन विश्वमांगल्य सभा द्वारा किया जा रहा है। संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिनमें मातृ शक्ति का सहयोग, समर्थन और सक्रिय सहभागिता अपरिहार्य है। इनमें कुटुंब प्रबोधन एक प्रमुख स्तंभ है। आजकल परिवारों का ताना-बाना बिखरता जा रहा है। संयुक्त परिवारों का विघटन, मूल्यों का ह्रास और सामाजिक विद्रूप चेहरा सामने आ रहा है। ऐसे में कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता और भी प्रासंगिक हो गई है। डॉ. मोहन भागवत ने पहले भी कई अवसरों पर महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि महिलाओं को सशक्त बनाना राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने रूढ़िवादी रीति-रिवाजों और परंपराओं से महिलाओं को मुक्त करने की बात कही है। भागवत जी के अनुसार, भारत में महिला माता और शक्ति स्वरूप है। स्त्रियां सृजन की शक्ति हैं, वे रक्षा भी कर सकती हैं और निर्माण भी। भारतीय सभ्यता महिलाओं को समाज की नैतिक और सांस्कृतिक रीढ़ मानती है। समाज में महिलाओं की भूमिका हमेशा से केंद्र बिंदु रही है। घर-परिवार से लेकर राष्ट्र निर्माण तक वे अग्रणी रहती आई हैं। लेकिन आधुनिक चुनौतियों जैसे परिवारों के टूटने, मूल्यहीनता और सामाजिक परिवर्तनों के बीच मातृ शक्ति का मार्गदर्शन और नेतृत्व अत्यंत जरूरी है। संघ के शताब्दी वर्ष में यह संवाद न केवल महिलाओं को प्रेरित करने वाला होगा, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है और इसमें शामिल होने वाली महिलाएं उत्साह से भरी हुई हैं।

दिल्ली में समय पर मिलेंगी सरकारी सेवाएं, जवाबदेही और पारदर्शिता होगी मजबूत

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बुधवार (15 जुलाई) को दिल्ली (नागरिकों का समयबद्ध और आसानी से सेवाएं पाने का अधिकार) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने कहा है कि यह सरकारी सेवाओं की डिलीवरी में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार है। अब लोगों को सरकारी दफ्तरों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अगर कोई अधिकारी बिना ठोस वजह सेवा देने में देरी करता है तो उस पर हर दिन 250 रुपये का जुर्माना लगेगा, जो अधिकतम 5000 रुपये तक हो सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस कानून से दिल्ली में प्रशासनिक सुधारों को बड़ा बल मिलेगा। इसका मकसद प्रशासन को नागरिक-केंद्रित और जवाबदेह बनाना है।

मुख्य बातें- जवाबदेही तयः बिना वजह देरी पर अधिकारी पर 250/दिन का जुर्माना, अधिकतम 5,000 तक। दंड से पहले अधिकारी को सफाई का मौका मिलेगा। नागरिकों का अधिकारः अधिसूचित सरकारी सेवाएं तय समय-सीमा में मिलना अब कानूनी अधिकार होगा। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइनः आवेदन से लेकर सेवा मिलने तक सब डिजिटल होगा। आवेदन संख्या और स्टेटस की रियल-टाइम ट्रैकिंग होगी, जिससे दफ्तरों के चक्कर कम होंगे। 2011 के कानून की जगहः ये विधेयक 2011 के एक्ट को बदलेगा और तकनीक से सेवाओं को तेज, पारदर्शी बनाएगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने लॉन्च किया ओल्ड क्लोथ्स डोनेशन प्रोजेक्ट, 10 मेट्रो स्टेशनों पर बनेंगे केंद्र

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन और डीएमआरसी लेडीज वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने पुराने और इस्तेमाल किए गए कपड़ों के संग्रह और रीसाइक्लिंग के लिए दिल्ली सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. डीएमआरसी और डीएलडब्ल्यूओ ने यह समझौता दिल्ली सरकार के स्टेट अर्बन लाइवलीहुड मिशन और कपड़ों के रीसाइक्लिंग से जुड़ी संस्थाओं क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन तथा रेस्पन के साथ किया. इस साझेदारी के तहत दिल्ली में 'ओल्ड क्लोथ्स डोनेशन प्रोजेक्ट' शुरू किया जा रहा है. इस पहल का उद्देश्य पुराने और इस्तेमाल किए गए कपड़ों को कूड़े के ढेर (लैंडफिल) में जाने से रोकना, कपड़ा कचरे को कम करना और रीसाइक्लिंग तथा अपसाइक्लिंग के जरिए सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार पर्यावरण संरक्षण, प्रभावी कचरा प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल कपड़ा कचरे को कम करने में मदद करेगी, बल्कि लोगों को स्वच्छ और टिकाऊ दिल्ली बनाने में सक्रिय भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित करेगी. इस मौके पर डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक विकास कुमार और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे. परियोजना के तहत अर्पण नाम से संग्रह केंद्र दिल्ली मेट्रो के 10 स्टेशनों पर स्थापित किए जाएंगे, जहां लोग अपने घरों के पुराने और अनुपयोगी कपड़े दान कर सकेंगे. इसके अलावा रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग से बने उत्पादों की बिक्री के लिए कियोस्क भी लगाए जाएंगे.

पहले चरण में अगले कुछ दिनों के भीतर शाहदरा, डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल, मालवीय नगर, हौज खास, द्वारका, मोहन एस्टेट, लाजपत नगर, मयूर विहार फेज-1, पंजाबी बाग वेस्ट और शालीमार बाग मेट्रो स्टेशनों पर अर्पण केंद्र शुरू किए जाएंगे. लोग सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक यहां कपड़े दान कर सकेंगे. मुख्यमंत्री ने बताया कि एकत्रित कपड़ों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाएगा.पहली श्रेणी में वे कपड़े होंगे जिन्हें स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बैग, सजावटी सामान और अन्य उपयोगी वस्तुओं में बदल सकेंगी. दूसरी श्रेणी में वे कपड़े होंगे जो पूरी तरह उपयोग लायक नहीं हैं. ऐसे कपड़ों को रीसाइक्लिंग के जरिए नए उत्पादों और कच्चे माल में बदला जाएगा. इसके अलावा धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल किए गए कपड़ों और अन्य पवित्र सामग्री का भी सम्मानपूर्वक पुनः उपयोग और रीसाइकिल किया जाएगा, ताकि लोगों की भावनाओं का सम्मान बना रहे. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार टूटी-फूटी मूर्तियों, प्लास्टिक कचरे और अन्य प्रकार के कचरे के लिए भी अलग समाधान विकसित कर रही है. उन्होंने विश्वास जताया कि यदि हर प्रकार के कचरे के लिए वैज्ञानिक और व्यवस्थित समाधान तैयार किए जाएं, तो दिल्ली को कई जटिल समस्याओं से मुक्त किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि फिलहाल 10 अर्पण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, लेकिन भविष्य में इस पहल का विस्तार पूरे दिल्ली में किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना कपड़ा प्रदूषण कम करने, टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने और महिलाओं के लिए नए रोजगार अवसर पैदा करने की दिशा में एक अभिनव कदम है. उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ऐसी व्यवस्था विकसित करना चाहती है, जहां पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास साथ-साथ आगे बढ़ें. सरकारी बयान के अनुसार, इन संग्रह केंद्रों का संचालन स्टेट अर्बन लाइवलीहुड मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं करेंगी. उन्हें कपड़ों की अपसाइक्लिंग और रीसाइक्लिंग की स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें. आईएएनएस के मुताबिक दान किए गए कपड़ों का एक हिस्सा उन्हें अपसाइक्लिंग के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा. क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन और रेस्पन एकत्रित कपड़ों की छंटाई, रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग की पूरी प्रक्रिया का संचालन करेंगे. इन केंद्रों पर रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग से बने उत्पादों की बिक्री भी की जाएगी, जिससे सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल को बढ़ावा मिलेगा.

यमुना डूब क्षेत्र में फिर पनपने लगे अवैध डेयरी फार्म और मवेशियों के ठिकाने, तुरंत कार्रवाई के निर्देश

दिल्ली । यमुना नदी के डूब क्षेत्र (फ्लडप्लेन) में हटाए गए अवैध डेयरी फार्म और मवेशियों के ठिकाने फिर से बन रहे हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ओर से राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल स्टेटस रिपोर्ट से यह बात सामने आई है। पर्यावरण कार्यकर्ता गौरी मौलेखी की याचिका पर सुनवाई के दौरान डीपीसीसी ने अदालत को बताया कि मयूर विहार फेज-1 और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के पास यमुना खादर में कई स्थानों पर दोबारा कब्जे हो गए हैं। डीपीसीसी के वरिष्ठ पर्यावरण इंजीनियर सुनील कुमार गोयल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अधिकारियों की टीम ने जून और जुलाई 2026 में प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान यमुना के संवेदनशील ओ-जोन में डेयरी फार्मों के कोई पक्के मकान या दीवारें नहीं मिलीं, लेकिन मयूर विहार में डीएनडी फ्लाईओवर और नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर के नीचे कई झुग्गियां और घास-फूस से बने अस्थायी तबेले पाए गए। रिपोर्ट के अनुसार, इन स्थानों पर मवेशियों को लकड़ी के खूंटों से बांधा गया था और वहां चारे और गोबर के ढेर मिले। इसके अलावा यमुना के खुले मैदानों में 50 से 60 गाय और भैंस चरती हुई मिलीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ये पशु चक चिल्ला गांव के पशुपालकों के हैं। टीम ने कुछ भैंसों को यमुना नदी और हिंडन कट नहर में नहाते हुए भी देखा। इसी तरह न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र में भी तीन में से दो स्थानों पर मवेशियों के अस्थायी ठिकाने दोबारा बने हुए मिले। यमुना का डूब क्षेत्र डीडीए के अधिकार क्षेत्र में आता है। डीपीसीसी ने 2 और 6 जुलाई 2026 को डीडीए के भूमि प्रबंधन विभाग को पत्र भेजकर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। डीपीसीसी ने कहा है कि डीडीए, नगर निगम (एमसीडी) के पशु चिकित्सा विभाग की मदद से अवैध रूप से रखे गए मवेशियों को जब्त करे, अस्थायी झुग्गियों को हटाए और कार्रवाई रिपोर्ट जल्द ट्रिब्यूनल में प्रस्तुत करे। प्रदूषण रोकने के लिए डीपीसीसी ने दिल्ली के सभी डेयरी और गौशाला संचालकों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 14 तक पशु रखने वाले डेयरी फार्मों को ग्रीन श्रेणी और 15 या उससे अधिक पशु रखने वाले डेयरी फार्मों को ऑरेंज श्रेणी में रखा गया है। सभी डेयरी संचालकों को 15 दिनों के भीतर प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत सहमति (कंसेंट) के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया गया है। नियमों का पालन नहीं करने पर डेयरी को सील करने के साथ बिजली और पानी की आपूर्ति भी बंद की जा सकती है। डूब क्षेत्र (फ्लडप्लेन) को बाढ़ और कब्जों से सुरक्षित बनाने के लिए डीडीए और दिल्ली सरकार ने 22 किलोमीटर लंबे यमुना डूब क्षेत्र की सीमांकन का करीब 75 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल ताजा प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, 100 साल में आने वाली संभावित बाढ़ के स्तर को ध्यान में रखते हुए पूरे क्षेत्र में कुल 277 पिलर लगाए जाने हैं। इनमें से अब तक 206 पिलर लगाए जा चुके हैं। डीडीए ने अदालत को बताया है कि बाकी पिलर 31 जुलाई तक लग जाएंगे। दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को एनजीटी से राहत मिली है। एनजीटी ने मजनू का टीला (मैगजीन ड्रेन) से ओल्ड रेलवे ब्रिज (नीली छतरी मंदिर क्षेत्र) तक बनी पुरानी बाढ़ सुरक्षा दीवार की मरम्मत और उसे मजबूत करने की अनुमति दे दी है।

लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी जापान ओपन 2026 से बाहर, भारत को शुरुआती झटका!

बुधवार को टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में हुए BWF सुपर 750 इवेंट में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी के पहले राउंड में हारने के साथ ही जापान ओपन 2026 में भारत का पुरुष सिंगल्स का सफर समय से पहले ही खत्म हो गया। Olympics.com के अनुसार, दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन को जापान के कोकी वातानाबे ने 38 मिनट तक चले मैच में सीधे गेम में 21-16, 21-14 से हरा दिया। मैच के दौरान सेन अपनी लय नहीं बना पाए और मिड-गेम ब्रेक के समय 11-6 और 11-5 से पीछे चल रहे थे, जिसके बाद वातानाबे ने आसानी से जीत हासिल कर ली। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी वातानाबे के खिलाफ सेन की यह सातवीं भिड़ंत थी और इसमें उन्हें तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा। एक कड़े मुकाबले में, आयुष शेट्टी को थाईलैंड के दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी कुनलावुत वितिदसर्न से तीन गेम (19-21, 25-23, 15-21) में हार का सामना करना पड़ा। पेरिस 2024 ओलंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट कुनलावुत ने पहला गेम जीता, हालांकि शेट्टी ने स्कोर 19-19 से बराबर कर लिया था। शेट्टी ने दूसरे गेम में ज़बरदस्त वापसी की; उन्होंने चार मैच पॉइंट बचाते हुए गेम 25-23 से जीता और मैच को निर्णायक गेम तक पहुँचाया। हालाँकि, वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और कुनलावुत ने आखिरी गेम में फिर से मैच पर पकड़ बना ली, जिससे शेट्टी के खिलाफ उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 हो गया। महिला सिंगल्स मुकाबले में भी भारत के लिए मुश्किलें जारी रहीं, क्योंकि उन्नति हुड्डा शुरुआती दौर में ही चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन से 16-21, 21-16, 21-15 से हारकर बाहर हो गईं। इन नतीजों के साथ ही जापान ओपन में भारत के पुरुष सिंगल्स खिलाड़ियों का सफ़र खत्म हो गया। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु मंगलवार को दूसरे राउंड में पहुँचने के बाद महिला सिंगल्स में भारत की एकमात्र खिलाड़ी बची हैं। डबल्स में भारत की उम्मीदें मिक्स्ड डबल्स जोड़ी तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला पर टिकी हैं, जो दूसरे राउंड में पहुँच गए हैं। वहीं, पुरुष डबल्स टीमें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और एमआर अर्जुन-हरिहरन अमसाकरुणन पहले ही राउंड में बाहर हो गईं।

वाशिंगटन सुंदर बोले- बल्लेबाजी में अलग रोल रोमांचित करते हैं, गौतम गंभीर ने बढ़ाया मेरा Confidence

भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने कहा कि वह बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर उतरने के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्हें बल्लेबाजी में अलग-अलग भूमिकाएं रोमांचित करती हैं। वाशिंगटन की खेल के विभिन्न प्रारूपों में भूमिकाएं बदलती रहती हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को यहां खेले गए पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए और उन्होंने नाबाद 52 रन बनाए। भारत ने यह मैच छह विकेट से जीता। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अक्षर पटेल (नाबाद 57) के साथ 102 रन की अटूट साझेदारी की। कप्तान शुभमन गिल की 80 रन की पारी के बाद इन दोनों ने मिलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। वाशिंगटन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मुझे अलग-अलग भूमिकाएं निभाना रोमांचक लगता है। बहुत कम खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं निभाने का मौका मिलता है। इससे मुझे अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने का मौका मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं टीम को जीत दिलाने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करता हूं। खेल की अलग-अलग परिस्थितियों और अलग-अलग चरणों में खेलना रोमांचक होता है।'' वॉशिंगटन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक बल्लेबाज के रूप में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही उन्होंने गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा के प्रभाव को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, ''गौती भाई (गौतम गंभीर) ने हमेशा मुझे बताया कि मैं बल्लेबाजी में क्या खास योगदान दे सकता हूं। उन्होंने मुझे मेरे खेल के बारे में समझाया। गुजरात टाइटंस में आशीष नेहरा ने मुझे एक व्यक्ति के रूप में और एक क्रिकेटर के रूप में खुद को बेहतर ढंग से समझने में बहुत मदद की है।'' वाशिंगटन ने कहा,''एक ऑलराउंडर के रूप में मुझे लगता है कि हर दिन सुधार करने की कोशिश करना, अपने खेल को समझना और परिस्थिति के अनुसार खेलना बहुत जरूरी है। अधिक मैच खेलने से भी मदद मिलती है। आपको विभिन्न परिस्थितियों का सामना करने का मौका मिलता है। इससे आप समझ पाते हैं कि आप वास्तव में क्या कर सकते हैं। आपको बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।'' तमिलनाडु के इस क्रिकेटर ने कहा कि टीम को ऐसे खिलाड़ियों से बहुत फायदा मिलता है जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं। वाशिंगटन ने कहा, ''मेरे लिए ऑलराउंडर होना बहुत बड़ा सौभाग्य है। मेरा मतलब है कि किसी भी टीम में जितने अधिक ऑलराउंडर होंगे टीम को उतना अधिक फायदा मिलेगा क्योंकि तब आप परिस्थितियों के अनुसार खेल सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आपको कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि आपके पास विकल्पों की कमी है। हम दुनिया भर में बहुत क्रिकेट खेलते हैं। परिस्थितियां काफी अलग होती हैं। आज का दिन हम सभी के लिए अच्छा रहा।'' वाशिंगटन ने कप्तान गिल और साथी ऑलराउंडर अक्षर पटेल की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''विकेट से गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिल रही थी। शुभमन ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और श्रेयस अय्यर के साथ उनकी साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण थी। अक्षर ने शानदार बल्लेबाजी की और हर बार महत्वपूर्ण मौके पर चौके लगाए जिससे काम आसान हो गया।'' वॉशिंगटन ने तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ की भी प्रशंसा की, जिन्होंने नौ ओवर में 61 रन देकर बेन डकेट और जैकब बेथेल के विकेट लिए। उन्होंने कहा, ''गुरनूर ने शुरू से अपना जज्बा दिखाया है। मैंने उन्हें पिछले कुछ वर्षों में गुजरात टाइटंस में एक साथ खेलते हुए करीब से देखा है। चाहे मैच हो या अभ्यास सत्र, वह हमेशा अपना सब कुछ झोंक देते हैं। इस मैच में जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

अक्षर पटेल की शानदार All-round Performance, टी20/ वनडे रणनीति पर किया बड़ा खुलासा- टाइमिंग ने बदला गेम

भारत की इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि टी20 श्रृंखला के दौरान उन्होंने गेंद पर जोर से प्रहार करने को प्राथमिकता दी लेकिन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में टाइमिंग पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। अक्षर ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए पहले 9.5 ओवरों में चार विकेट लिए और फिर 52 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाए जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था। भारत ने 259 रन का लक्ष्य चार विकेट से और 28 गेंद शेष रहते हासिल कर दिया, जिसमें कप्तान शुभमन गिल (80) और वाशिंगटन सुंदर (52) ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए अक्षर ने जियोस्टार से कहा, ''मेरे लिए इस तरह का प्रदर्शन करना बेहद जरूरी था। मैं लगातार प्रयास कर रहा था। जहां तक मेरी मानसिकता की बात है तो मुझे यह सोचने के बजाय कि सब कुछ अपने आप हो जाएगा, एकाग्र रहना था।'' उन्होंने कहा, ''मुझे खुद पर भरोसा रखना था और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल कर रहा था। मुझे लगता है कि टी20 मैचों के में मैं गेंद पर कुछ ज़्यादा ही ज़ोर से प्रहार करने की कोशिश कर रहा था।'' अक्षर ने कहा, '''जब आप डेथ ओवरों में बल्लेबाजी करने जाते हैं तो आपके पास बड़े शॉट लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता, लेकिन मैं थोड़ा लय खो रहा था।'' इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में अक्षर पटेल केवल 19 रन बना पाए थे। उन्होंने वनडे में अपनी रणनीति बदली और सही टाइमिंग से शॉट करने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, ''मैं गेंद को ज्यादा जोर से मारने की कोशिश नहीं कर रहा था क्योंकि मुझे पता था कि मेरे पास समय है। मैं कुछ गेंदों का आराम से खेल सकता हूं। मैं अपनी टाइमिंग पर ध्यान दे रहा था। इस तरह की विकेट पर जब आप परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझ लेते हैं तो फिर आप रन बना सकते हैं।'' अक्षर ने कहा, ''इस तरह की विकेट पर मुझे लगता है कि क्रीज पर कुछ समय बिताना बहुत महत्वपूर्ण था। ऐसी विकेटों पर आप आते ही उछलती हुई गेंदों पर शॉट नहीं खेल सकते। आपको खुद को थोड़ा समय देना होगा। उसके बाद ही आप अपने शॉट खेल सकते हैं।

FIFA वर्ल्ड कप सेमी-फ़ाइनल मार्क गुएही का दावा, दबाव अर्जेंटीना पर है, हम पर नहीं

इंग्लैंड के डिफेंडर मार्क गुएही ने कहा है कि बुधवार को होने वाले FIFA वर्ल्ड कप 2026 के सेमी-फ़ाइनल से पहले मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना पर दबाव है। वर्ल्ड कप के फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड का मुक़ाबला अटलांटा के मर्सिडीज़-बेंज़ स्टेडियम में अर्जेंटीना से होगा, जहाँ पहले सेमी-फ़ाइनल में फ़्रांस पर 2-0 से जीत के बाद स्पेन उनका इंतज़ार कर रहा है। गुएही ने भरोसा जताते हुए कहा कि हम पर कोई दबाव नहीं है। कैसा दबाव? दबाव तो उन पर है। वे वर्ल्ड चैंपियन हैं। उन्हें मैदान पर उतरना है; उन्हें अपना टाइटल बचाना है। हम पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो हर कोई उत्साहित है। यह मौका, बड़े खिलाड़ी–हर कोई उनके खिलाफ खेलने के इस मौके का आनंद ले रहा है और इसका बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है। यह मैच वर्ल्ड कप की सबसे मशहूर प्रतिद्वंद्विता में से एक को फिर से ज़िंदा करेगा। यह मुकाबला 1986 में डिएगो माराडोना के हैंड ऑफ़ गॉड गोल और 1998 के राउंड ऑफ़ 16 मैच में डेविड बेकहम को मिले रेड कार्ड के लिए याद किया जाता है। फुटबॉल के अलावा, फ़ॉकलैंड आइलैंड्स के पुराने विवाद की वजह से भी इस मैच का ऐतिहासिक महत्व है। टीम के साथी एज़री कोंसा ने सिर्फ़ फुटबॉल पर ध्यान देने पर ज़ोर देते हुए कहा कि हमें बस खुद पर ध्यान देना है।

इसके पीछे के इतिहास को भूलने की कोशिश करनी है, इसे लेकर ज़्यादा जोश में नहीं आना है और मैदान पर जाकर वही करना है जो हम सबसे बेहतर कर सकते हैं। क्वार्टर-फ़ाइनल में नॉर्वे के ख़िलाफ़ एक्स्ट्रा टाइम के बाद 2-1 से जीत हासिल करके इंग्लैंड सेमी-फ़ाइनल में पहुँचा। कुछ उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन और मैनेजर थॉमस ट्यूशेल द्वारा नॉर्वे मैच के कुछ पहलुओं की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के बावजूद, कोंसा ने टीम के अंदर किसी भी तरह की अनबन की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा ग्रुप बहुत अच्छा है। हम सब एकजुट हैं। कोई समस्या नहीं है। इस टूर्नामेंट में सोच सबसे अहम है। मुझे लगता है कि हमारे लिए बाहरी बातें तो होती ही रहेंगी। लेकिन आपको उन्हें नज़रअंदाज़ करना आना चाहिए। हम लंबे समय से इस खेल से जुड़े हैं; हम जानते हैं कि इसका क्या नतीजा होता है। इंग्लैंड के डिफेंस के सामने लियोनेल मेसी को रोकना एक बड़ी चुनौती है। मेसी ने इस टूर्नामेंट में आठ गोल किए हैं और गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे के बराबर हैं। गुएही ने मेसी के टैलेंट को माना, लेकिन यह भी कहा कि अर्जेंटीना की टीम से और भी खतरे हो सकते हैं। गुएही ने कहा कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, शायद सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक, इसलिए हम उन्हें रोकने की पूरी कोशिश करेंगे। लेकिन मैदान पर सिर्फ़ वही नहीं हैं। टीम में और भी बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, इसलिए यह ज़रूरी है कि हम खुद पर ज़्यादा से ज़्यादा फ़ोकस करें और अपने गेम प्लान पर अमल करें।

स्पेन की जीत के बाद कोच फुएंते ने खोला सफलता का राज, डेशां बोले- हम अपने स्तर पर नहीं खेल पाए

अटलांटा । स्पेन ने फीफा विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व कप फाइनल में जगह बना ली। डलास स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो के गोलों की बदौलत स्पेन ने शुरुआत से अंत तक मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। जीत के बाद जहां स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने टीम की एकजुटता को सफलता का सबसे बड़ा कारण बताया, वहीं फ्रांस के कोच डिडिएर डेशॉ ने माना कि उनकी टीम अपने सामान्य स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सकी। मैच के बाद डे ला फुएंते ने कहा कि उनकी टीम पिछले चार वर्षों से एक स्पष्ट योजना के साथ काम कर रही है और अब उसका परिणाम दुनिया देख रही है। उन्होंने कहा, %हमने लगभग चार साल पहले एक सोच के साथ काम शुरू किया था और पूरे समय उसी पर भरोसा बनाए रखा। आज हम दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक फ्रांस के खिलाफ खेले, लेकिन उनके सामने दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम थी। हमारे खिलाड़ियों ने हर दिन अपनी मेहनत, समर्पण, एकजुटता और प्रतिभा का परिचय दिया है। स्पेन के कोच ने कहा कि उनकी टीम की सबसे बड़ी ताकत किसी एक खिलाड़ी का प्रदर्शन नहीं, बल्कि पूरा समूह है। उन्होंने खुलासा किया कि जो खिलाड़ी सेमीफाइनल में नहीं खेले, वे भी मैच खत्म होने के बाद अभ्यास करने के लिए मैदान पर रुके रहे। उन्होंने कहा, हमने 2010 वाले विश्व कप जैसा उत्साह और विश्वास फिर से हासिल कर लिया है।

हमारी टीम का जज्बा इस बात से समझा जा सकता है कि जो खिलाड़ी सेमीफाइनल में नहीं खेले, वे भी मैच खत्म होने के बाद अभ्यास करने के लिए मैदान पर रुके रहे। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। एमबाप्पे जैसे स्टार खिलाड़ी को पूरे मैच में प्रभावी नहीं होने देने पर डे ला फुएंते ने कहा, फ्रांस दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक है, लेकिन हमने अनुशासन और टीमवर्क के दम पर उनके शॉट्स को रोका। जब पूरी टीम एकजुट होकर खेलती है, तब उसे हराना बेहद मुश्किल हो जाता है।

राजधानी लखनऊ में दिनदहाड़े एसिड अटैक!

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चिनहट क्षेत्र में मंगलवार को एक दुकान के अंदर एक अज्ञात व्यक्ति ने युवक पर कथित तौर पर तेजाब फेंक कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बुधवार को बताया कि हमलावर की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे हुई, जब पीड़ित अपने तीन साथियों के साथ दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति दुकान में घुसा और युवक पर तेजाब फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि घायल युवक को पहले मल्हौर रोड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान रेफर किया गया। उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

विश्व युवा कौशल दिवस पर आईटीआई पडरौना में प्रदर्शनी, उत्कृष्ट प्रशिक्षुओं को मिला सम्मान

कुशीनगर।

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), पडरौना में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत प्रदर्शनी एवं प्रशस्ति-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक मनीष जायसवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न प्रशिक्षण स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार उत्पादों एवं परियोजनाओं की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने युवाओं से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। समारोह में विभिन्न ट्रेडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। वहीं मैक्स हॉस्पिटल, दिल्ली, सीटी हॉस्पिटल, गोरखपुर तथा राणा हॉस्पिटल, गोरखपुर में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों, जिनमें त्रिवेणी शुगर मिल और द यूनाइटेड शुगर मिल शामिल हैं, के प्रबंधकों को भी विधायक ने प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता त्रिभुवन नारायण सिंह, प्रमोद गौतम और सौरभ जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा नोडल प्रधानाचार्य एवं जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन आलोक कुमार मौर्य, राजकीय आईटीआई कसया के प्रधानाचार्य ए.पी. राय, राजकीय आईटीआई हाटा के प्रधानाचार्य पी.एन. शर्मा, वरिष्ठ अनुदेशक बी.एन. गुप्ता, जिला कौशल प्रबंधक अभय श्रीवास्तव, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक विनय पांडेय, आर्यन श्रीवास्तव, मुकुल कुमार, पीयूषकांत सिंह सहित जनपद के सभी राजकीय आईटीआई के अधिकारी, कर्मचारी, प्रशिक्षक, प्रशिक्षु एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।यदि इसे दैनिक जागरण या अमर उजाला की अधिक संक्षिप्त (250-300 शब्द) शैली में चाहिए, तो मैं वह संस्करण भी तैयार कर सकता हूँ।

विकसित साथी पोर्टल पर बीज विक्रेताओं का ऑनलाइन पंजीकरण 25 जुलाई तक अनिवार्य

कुशीनगर।

जनपद के किसानों को उच्च गुणवत्ता एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित विकसित साथी पोर्टल पर सभी बीज विक्रेताओं का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य बीज उत्पादन, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, डिजिटल एवं ट्रैसेबल बनाना है, जिससे बीज की गुणवत्ता और प्रामाणिकता का प्रभावी सत्यापन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी पंजीकृत बीज विक्रेताओं को अपने बीज अनुज्ञापन (लाइसेंस), पैन कार्ड, आधार विवरण, जीएसटी विवरण तथा प्रतिष्ठान से संबंधित अन्य आवश्यक अभिलेख विकसित साथी पोर्टल पर अपने लॉग-इन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से अपलोड करने होंगे। यदि पंजीकरण अथवा दस्तावेज अपलोड करने में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है तो संबंधित विक्रेता विकास भवन स्थित जिला कृषि कार्यालय, रवीन्द्रनगर, कुशीनगर में संपर्क कर उसका निराकरण करा सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने निर्देश दिया है कि यह प्रक्रिया हर हाल में 25 जुलाई 2026 तक पूरी कर ली जाए। निर्धारित समय सीमा के भीतर पोर्टल पर पंजीकरण और आवश्यक दस्तावेज अपलोड न करने वाले बीज विक्रेताओं के विरुद्ध बीज लाइसेंस के निलंबन अथवा निरस्तीकरण की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी।

पड़री मेंदिया में हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर सड़क पर गिरा, बड़ा हादसा टला

नेबुआ नौरंगिया (कुशीनगर)।

क्षेत्र के पड़री मेंदिया गांव में बुधवार दोपहर जर्जर हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर मुख्य मार्ग पर गिर गया। संयोगवश उस समय सड़क पर आवाजाही कम होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया और तत्काल बिजली आपूर्ति बंद करानी पड़ी।जानकारी के अनुसार खजुरी-बेलवा घाट मार्ग पर पड़री मेंदिया गांव के सामने से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार अचानक टूटकर सड़क पर गिर गया। तार गिरते ही आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए राहगीरों को मौके से दूर रखा तथा विद्युत विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही संबंधित फीडर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त हाईटेंशन लाइन काफी समय से जर्जर अवस्था में है। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद मरम्मत नहीं कराई गई। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते जर्जर तारों और पोलों को नहीं बदला गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

इस संबंध में विद्युत उपकेंद्र कोटवा के एसडीओ सुनील पाल ने बताया कि हाईटेंशन लाइन का तार टूटने की सूचना मिलते ही बिजली आपूर्ति बंद करा दी गई है। विभाग द्वारा मरम्मत कार्य शुरू करा दिया गया है और जल्द ही क्षतिग्रस्त तार को बदलकर आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय पुर्नाछापर पहुंचे बीडीओ, मिड-डे मील चखकर परखी गुणवत्ता

भटनी देवरिया।

बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन, पढ़ाई, उपस्थिति और कायाकल्प कार्यों का लिया जायजा-

खंड विकास अधिकारी साबिर अनवर ने प्राथमिक विद्यालय पुर्नाछापर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, बच्चों की उपस्थिति, पठन-पाठन व्यवस्था तथा विद्यालय में चल रहे कायाकल्प कार्यों का जायजा लिया। बीडीओ ने बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता की जांच की। इसके बाद उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों से सवाल पूछे तथा शिक्षण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद बीडीओ ने ग्राम पंचायत परसौनी पहुंचकर प्राप्त शिकायत के संबंध में स्थलीय जांच की और संबंधित लोगों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा शिकायतों का निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

25 वर्षों से बदहाल सड़क पर फूटा वार्डवासियों का गुस्सा, जिलाधिकारी से लगाई गुहार

भटनी देवरिया। नगर पंचायत भटनी के हतवा रेलवे कॉलोनी वार्ड नंबर-3 की जर्जर मुख्य सड़क को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश सामने आया है। वार्डवासियों ने जिलाधिकारी देवरिया को सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र भेजकर सड़क के शीघ्र निर्माण की मांग की है। शिकायतकर्ता असलम अंसारी ने बताया कि लगभग 25 वर्षों से वार्ड की मुख्य सड़क बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने के कारण आए दिन राहगीर, स्कूली बच्चे और दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है। लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, जबकि जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। वार्डवासियों का आरोप है कि इस समस्या की शिकायत कई बार की गई, लेकिन आश्वासन के अलावा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रार्थना पत्र में जिलाधिकारी से मांग की गई है कि जनहित को देखते हुए संबंधित विभाग को तत्काल सड़क की मरम्मत अथवा नवनिर्माण के निर्देश दिए जाएं, ताकि क्षेत्रवासियों को वर्षों पुरानी इस समस्या से राहत मिल सके। प्रार्थना पत्र पर असलम अंसारी,कादिर अंसारी,ताज अंसारी,अख्तर हुसेन,मजहर हसन, सुधीर कुमार, शाली अहमद, सुदामा प्रसाद, राधिका गुप्ता सहित अनेक वार्डवासियों के हस्ताक्षर हैं।इस पत्रक देने के दौरान सभासद प्रतिनिधि लालबिहारी प्रजापति भी मौजूद रहे।

डायट में एफएलएन प्रशिक्षण का आगाज, बुनियादी शिक्षा को मजबूत करेंगे शिक्षक

कक्षा एक से तीन तक के बच्चों में भाषा और गणितीय दक्षता बढ़ाने पर जोर

देवरिया। प्राथमिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कवायद तेज हो गई है। मंगलवार को रामपुर कारखाना स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में सीमैट एवं एससीईआरटी के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन डायट प्राचार्य डॉ. रामजियावन मौर्य ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने उपस्थित एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों को पढ़ना, लिखना और बुनियादी गणना सिखाना ही पूरी शिक्षा व्यवस्था की नींव है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से अलग हटकर बाल-केंद्रित शिक्षण विधियों, गतिविधि-आधारित अधिगम और नवीन मूल्यांकन तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जा रहा है। कलेक्ट्रेट और शिक्षा विभाग के उच्च मानकों के अनुरूप, इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में पठन-पाठन को अधिक रोचक, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाना है। प्रशिक्षण प्रभारी अनिल कुमार तिवारी ने सत्र की महत्ता को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि यदि कक्षा एक से तीन तक के बच्चे भाषा की समझ और गणित के बुनियादी जोड़-घटाव में पिछड़ जाते हैं, तो आगे की कक्षाओं में उनकी राह कठिन हो जाती है। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका सबसे संवेदनशील और निर्णायक है। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में संदर्भदाता के रूप में राकेश कुमार सिंह, उपेंद्र उपाध्याय, आदित्य नारायण गुप्ता और शीला चतुर्वेदी द्वारा विभिन्न सत्रों का संचालन किया जा रहा है। डायट प्रवक्ताओं में सतीश मिश्र, परशुराम यादव, आफताब अहमद, गोविंद गुप्ता, जितेंद्र कुमार और सीमा कुमारी सहित सभी प्रतिभागी सक्रिय रूप से शामिल रहे। कार्यशाला के अंत में सभी शिक्षकों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए नए कौशल और तकनीकों को अपने-अपने विद्यालयों में अक्षरशः लागू करने का संकल्प लिया, ताकि ग्रामीण अंचलों के प्राथमिक विद्यालयों में गुणात्मक शैक्षिक सुधार दिख सके।

दो बच्चों की मां की संदिग्ध मौत, दहेज हत्या का आरोप

भटनी देवरिया।

थाना क्षेत्र के साहोपार महुआवारी गांव में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मायके पक्ष ने पति, सास और ससुर पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बलुआ अफगान (मधवापुर टोला) निवासी विजान्ती देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री अन्नू की शादी 11 जून 2022 को साहोपार महुआवारी निवासी दुर्गेश गोंड के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति दुर्गेश गोंड, ससुर रामदेव गोंड और सास राजकुमारी अतिरिक्त तीन लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करते थे। कई बार समझाने के बावजूद उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। तहरीर के अनुसार, मंगलवार रात विवाहिता की तबीयत खराब होने की सूचना मिली। बुधवार सुबह परिजन ससुराल पहुंचे तो अन्नू मृत अवस्था में मिली। मायके पक्ष का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर उसकी हत्या कर दी गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि विवाहिता के शरीर पर चोट के निशान थे।मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया।

मायके पक्ष थाने में दी तहरीर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

इस सम्बंध में जब थानाध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस मामले में दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अमेरिकी मुद्रास्फीति में नरमी से भारतीय शेयर बाजार में बढ़त, सेंसेक्स 550 अंक उछला

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर महंगाई के मोर्चे पर मिली बड़ी राहत ने भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर नया जोश भर दिया है। पिछले सत्र में बैंकिंग शेयरों में भारी गिरावट के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों- सेंसेक्स और निफ्टी ने जोरदार वापसी की। इस तेजी की मुख्य वजह अमेरिका में उम्मीद से बेहतर आए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े हैं, जिसने निवेशकों में यह उम्मीद जगा दी है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व आने वाले महीनों में ब्याज दरों को लेकर अधिक उदार और कम आक्रामक रुख अपना सकता है। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 553 अंक की मजबूत बढ़त के साथ 77,603.57 अंक पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक निफ्टी भी 148.15 अंक उछलकर 24,198.40 अंक पर कारोबार कर रहा था। यह रिकवरी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ठीक एक दिन पहले मंगलवार को बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई थी, जब सेंसेक्स 561.46 अंक (0.72 प्रतिशत) टूटकर 77,054.94 अंक पर और निफ्टी 158.95 अंक (0.66 प्रतिशत) गिरकर 24,052.05 अंक पर बंद हुआ था। वैश्विक बाजारों से मिले अनुकूल संकेतों ने भारतीय शेयर बाजार के सेंटिमेंट को काफी मजबूती दी है। अमेरिका में जून महीने की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर घटकर 3.5 प्रतिशत पर आ गई है, जो बाजार के अनुमानित 3.8 प्रतिशत से काफी कम है। इस आंकड़े के आने के बाद अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को मजबूती के साथ बंद हुए, जिसमें एसएंडपी 500 में 0.38 प्रतिशत और नैस्डैक में 0.90 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। एक्सिस डायरेक्ट के रिसर्च हेड राजेश पालविया के अनुसार, ÷जून के कमजोर सीपीआई आंकड़ों ने इस उम्मीद को मजबूत किया है कि फेडरल रिजर्व अधिक उदार नीति अपना सकता है, जिससे रातों-रात वैश्विक संकेत काफी सकारात्मक हो गए÷। इसी तरह, ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर. ने कहा कि महंगाई के इन आंकड़ों ने यह भरोसा दिलाया है कि वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद आने वाले समय में फेडरल रिजर्व आक्रामक मौद्रिक नीति से पीछे हट सकता है, जिससे वैश्विक जोखिम वाली संपत्तियों को काफी राहत मिलेगी। आज के शुरुआती कारोबार में बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियों के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली है लाभ कमाने वाले प्रमुख शेयरः सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एटरनल, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), अल्ट्राटेक सीमेंट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) सबसे यादा फायदे में रहे। दूसरी तरफ, आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनियों जैसे इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टेक महिंद्रा के साथ-साथ पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट देखी गई और ये नुकसान में रहे। यदि एशियाई बाजारों की बात करें, तो दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक सबसे आगे रहते हुए 7.66 प्रतिशत तक उछल गया।

भारत और ब्रिटेन के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा सीईटीए, समझौते पर बोले प्रधानमंत्री

अबू धाबी । भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के आर्थिक संबंधों के लिहाज से बुधवार का दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौता आधिकारिक तौर पर लागू हो गए हैं। इस ऐतिहासिक कदम के तहत अब भारत से ब्रिटेन जाने वाले लगभग 99 प्रतिशत निर्यातों को जीरो-ड्यूटी (शून्य-शुल्क) के साथ बाजार पहुंच हासिल होगी, जो कुल व्यापार मूल्य का लगभग 100 प्रतिशत कवर करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों की साझेदारी में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है जो द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह साझा महत्वाकांक्षाओं को हमारे लोगों के लिए वास्तविक और ठोस अवसरों में बदलने का काम करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि यह क्षण दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश एवं नवाचार द्वारा संचालित एक मजबूत और भविष्योन्मुखी साझेदारी बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करता है। पीएम ने कहा, भारत-यूनाइटेड किंगडम साझेदारी में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है! व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) और

सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से हमारे आर्थिक संबंध और भी गहरे होने वाले हैं। ये समझौते मिलकर हमारी साझा महत्वाकांक्षा को हमारे लोगों के लिए ठोस अवसरों में तब्दील करते हैं। मोदी ने यह भी कहा कि सीईटीए किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई को नई गति प्रदान करेगा, इसके अलावा कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार तक मजबूत पहुंच प्राप्त होगी। पीएम मोदी के अनुसार, सीईटीए हमारे किसानों, उद्यमियों और लघु व मध्यम उद्यमों को नई गति प्रदान करेगा। कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार में बेहतर पहुंच प्राप्त होगी। यह प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार में सहयोग को भी गहरा करेगा, साथ ही कुशल भारतीय प्रतिभाओं की गतिशीलता को बढ़ावा देगा। सामाजिक सुरक्षा समझौता यूके में अस्थायी रूप से काम कर रहे भारतीय पेशेवरों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा और भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा। वहीं, केंद्रीय वाणिय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने ब्रिटिश समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की वार्ताकार टीमों को इस परिवर्तनकारी समझौते को धरातल पर उतारने के लिए धन्यवाद दिया। वाणिय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, यह समझौता भारत के पारंपरिक और आधुनिक दोनों क्षेत्रों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा करेगा। इस समझौते (सीईटीए) के लागू होने से भारत के कई प्रमुख क्षेत्रों को ब्रिटेन के बाजार में सीधी और मजबूत पहुंच मिलेगी। कपड़ा, चमड़ा, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, समुद्री उत्पाद, रसायन, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और विनिर्माण क्षेत्र को इससे भारी निर्यात लाभ मिलेगा। यह ऐतिहासिक समझौता देश के किसानों, उद्यमियों और विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को नया प्रोत्साहन और गति देगा।

यह आईटी, वित्तीय, शिक्षा, पेशेवर और व्यावसायिक सेवाओं के लिए नए दरवाजे खोलेगा। व्यापार सौदे के साथ-साथ लागू हुआ सामाजिक सुरक्षा समझौताभारतीय कार्यबल के लिए एक बहुत बड़ी राहत लेकर आया है। इसके तहत- अस्थायी असाइनमेंट पर ब्रिटेन जाने वाले भारतीय पेशेवरों को अब पांच वर्षों तक दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान से पूरी तरह छूट दी जाएगी। वाणिय मंत्री गोयल ने स्पष्ट किया कि इस छूट से विदेशी जमीन पर भारतीय कंपनियों और पेशेवरों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता काफी मजबूत होगी। यह समझौता देश के कुशल कार्यबल और विशेष रूप से तकनीकी विशेषज्ञों को ब्रिटेन में काम करने के लिए अधिक गतिशीलता और सुरक्षा प्रदान करेगा। भारत और ब्रिटेन के बीच इन दोनों समझौतों का एक साथ लागू होना वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में भारत के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। 99 प्रतिशत निर्यात पर शून्य-शुल्क मिलने और आईटी पेशेवरों को टैक्स में बड़ी छूट मिलने से देश में रोजगार और विदेशी निवेश के नए रास्ते खुलेंगे। यह कदम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक लचीली, नवाचार-संचालित और साझा समृद्धि वाली मजबूत अर्थव्यवस्था का आधार तैयार करेगा।

नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ान की शुरुआत, अबू धाबी के लिए पहली सेवा शुरू

नई दिल्ली । नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने बुधवार को अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं शुरू कर दी हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अबू धाबी के लिए पहली विदेशी उड़ान का संचालन किया। करीब 100 यात्रियों को लेकर यह उड़ान सुबह 2ः55 बजे (आईएसटी) रवाना हुई। इसने लगभग 2.30 घंटे में संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित की गई। उड़ान भरने से पहले, विमान के पायलट ने इसे एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण यात्रा बताया। एयर इंडिया एक्सप्रेस सप्ताह में तीन बार अबू धाबी के लिए उड़ानें संचालित करेगी। यात्री शाकिर आबिद ने अपनी पत्नी और बेटी के साथ इस पहली उड़ान में यात्रा की। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा अच्छी यादें बनाने के बारे में है। वे अबू धाबी से मस्कट के लिए कनेक्टिंग उड़ान लेंगे। वहां वे अपनी बेटी सफा आबिद का तीसरा जन्मदिन मनाएंगे। इस पहली उड़ान में एनएमआईए की पहली वैश्विक खराब होने वाली निर्यात खेप भी ले जाई गई। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) का विकास कई चरणों में किया जा रहा है। इसने 25 दिसंबर, 2025 से घरेलू सेवाएं शुरू की थीं। सात महीने से भी कम समय में, एनएमआईए ने 46 घरेलू गंतव्यों को जोड़ा है। इसने 2.3 दस लाख से अधिक यात्रियों को सेवा दी है। अब यह प्रतिदिन करीब 150 एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स (एटीएम) को संभालता है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के अध्यक्ष निपुण अग्रवाल ने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई उनकी दोहरी एयरपोर्ट रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ है। यह मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नेटवर्क को पूरक बनाता है। अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण बंसल ने कहा। उन्होंने बताया कि पहली निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ान का शुभारंभ एनएमआईए की यात्रा में एक नए चरण की शुरुआत है। इस एयरपोर्ट का विकास एनएमआईएएल (नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) द्वारा कई चरणों में किया जा रहा है। एनएमआईएएल एक विशेष प्रयोजन वाहन है। इसमें एएएचएल की 74 फीसदी हिस्सेदारी है। शेष शेयरधारिता सिडको (सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) के पास है। यह साझेदारी एयरपोर्ट के तेजी से विकास में मदद कर रही है।

आईडीबीआई बैंक को मिला विदेशी खरीदार, कनाडाई कंपनी के साथ 53 हजार करोड़ की हो सकती है डील

बिजनेस डेस्क। सरकार की लंबे समय से लंबित आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने कनाडा की वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 5.5 अरब डॉलर (लगभग 53,000 करोड़ रुपए) की इस डील की आधिकारिक घोषणा जल्द हो सकती है। यदि यह सौदा पूरा होता है, तो यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश माना जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार फेयरफैक्स अब 81 रुपए प्रति शेयर का ऑफर दे रही है, जो पिछले साल दिए गए 75 रुपए के ऑफर से यादा है। इस कीमत पर, सरकार बैंक में अपनी 45.48 फीसदी हिस्सेदारी में से 30.48फीसदी हिस्सेदारी बेचकर लगभग 26,620 करोड़ रुपए जुटा सकती है। सरकारी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन, जिसके पास बैंक की 50 फीसदी से थोड़ी कम हिस्सेदारी है, वह भी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। इससे डील का कुल साइज 53,000 करोड़ रुपए (5.5 बिलियन) हो जाएगा और यह किसी भारतीय बैंक में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा। फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स का नेतृत्व भारतीय मूल के उद्योगपति प्रेम वत्स कर रहे हैं, जिन्हें उनकी निवेश रणनीति के कारण अक्सर ÷कनाडा का वॉरेन बफे÷ कहा जाता है। हैदराबाद में 5 अगस्त 1950 को जन्मे प्रेम वत्स ने आईआईटी मद्रास से केमिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद वह उच शिक्षा के लिए कनाडा चले गए, जहां उन्होंने वेस्टर्न ओंटारियो यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। वत्स ने अपने करियर की शुरुआत 1974 में कन्फेडरेशन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से की, जहां उन्होंने निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन का अनुभव हासिल किया। कुछ वर्षों बाद उन्होंने अपनी निवेश सलाहकार कंपनी स्थापित की और 1985 में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की नींव रखी। आज यह कंपनी वैश्विक स्तर पर बीमा और निवेश क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में गिनी जाती है। भारत में भी फेयरफैक्स ने कई बड़े निवेश किए हैं। कंपनी की हिस्सेदारी सीएसबी बैंक, आईआईएफएल कैपिटल और बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में है। इसके अलावा फेयरफैक्स की मौजूदगी उत्तर अमेरिका और यूरोप के कई देशों में भी है। फोर्ब्स के अनुसार, प्रेम वत्स की अनुमानित संपत्ति करीब 2.6 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) है। भारतीय मूल के इस कारोबारी को उनकी उपलब्धियों के लिए भारत सरकार पद्मश्री से भी सम्मानित कर चुकी है। यदि आईडीबीआई बैंक का अधिग्रहण पूरा होता है, तो यह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण निवेश सौदे के रूप में दर्ज होगा।

कम हुई खरीफ फसलों की बुआई, दाल-चावल और खाद्य तेल की कीमतों पर बढ़ा दबाव

बिजनेस डेस्क । खरीफ सीजन की प्रमुख फसलों की बुआई में आई कमी का असर अब बाजार में दिखाई देने लगा है। धान, दालों और तिलहन की कम बुआई के कारण आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मानसून की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आम उपभोक्ता की रसोई पर महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। जून में चावल की महंगाई दर बढ़कर 1.72 प्रतिशत पहुंच गई, जबकि मई में यह 0.23 प्रतिशत थी। इसके पीछे धान की बुआई में आई गिरावट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। 10 जुलाई तक धान का रकबा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.63 प्रतिशत कम दर्ज किया गया। दालों के मोर्चे पर भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। तूर (अरहर), उड़द और मूंग की बुआई में क्रमशः 30.29 प्रतिशत, 29.71 प्रतिशत और 10.62 प्रतिशत की कमी आई है। इसका असर जून के महंगाई आंकड़ों में भी देखने को मिला। तूर की महंगाई दर -1.77 प्रतिशत से बढ़कर 0.85 प्रतिशत, उड़द 0.89 प्रतिशत से 2.16 प्रतिशत और मूंग 1.15 प्रतिशत से बढ़कर 1.71 प्रतिशत हो गई। इससे आने वाले समय में दालों की उपलब्धता और कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है। तिलहन की बुआई में भी 21.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिसके चलते सरसों, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे खाद्य तेलों की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। वहीं वार और रागी जैसे मोटे अनाज भी महंगे होने लगे हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि दालें एक मौसमी फसल हैं, इसलिए बुआई में देरी या रकबा घटने से भविष्य की आपूर्ति प्रभावित होती है। ऐसे में व्यापारी भी बेहतर कीमतों की उम्मीद में स्टॉक रोककर रखते हैं, जिससे बाजार में आपूर्ति कम होती है और कीमतें बढ़ती हैं। भारत मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून सामान्य से कमजोर रहने की आशंका है। जून में औसतन करीब 40 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई, जिससे खरीफ फसलों की बुआई प्रभावित हुई। आईएमडी के मुताबिक देश के 44 प्रतिशत से अधिक जिलों में अब भी सामान्य से कम वर्षा हुई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में खाद्य महंगाई और तेज हो सकती है।